मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

रांची, गुरुवार, 15 अगस्त 2024

संवत 2081, श्रावण शुक्लपक्ष 11 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-7, अंक 335 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

सांध्य दैनिक

4 अखंड भारत ही बनेगा विश्व गुरु

रोहित शर्मा के वो 5 रिकॉर्ड, जिन्हें तोड़ पाना विराट कोहली के लिए बेहद मुश्किल 6

हेमंत सोरेन ने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर झंडोत्तोलन किया

कहा- विकास विरोधी तत्वों की कोशिश को हमारे संकल्प ने नहीं होने दिया पूरा

मेट्रो रेज

रांचीः मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 78वें गणतंत्र दिवस के मौके पर मोरहाबादी मैदान में झंडोत्तोलन किया। उन्होने झंडा फहराने के बाद राज्य के लोगों को संबोधित करते हुए सरकार द्वारा चलाये जा रहे विकास कार्यों की जानकारी दी। रोजगार और नौकरी को लेकर भी मुख्यमंत्री ने कई बातें कही।

स्वतंत्रता दिवस पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जेल में लिखी कविता को किया शेयर, ह्यनफरत और कट्टरता उन्होने अपने संबोधन की शुरूआत करते हुए कहा प्यारे झारखण्ड वासियों, जोहार ! भगवान बिरसा मुण्डा, वीर सिद्धो कान्हू जैसे महान सपूतों की बलिदानी भूमि पर मैं आप सभी का हार्दिक अभिनन्दन करता हूँ और समस्त झारखण्डवासियों तथा देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देता हूँ। आज हम भारत की आजादी की 77वीं वर्षगाँठ पूरे हर्षोल्लास के साथ मना रहे हैं। राष्ट्रीय पर्व की इस पावन बेला में मैं, राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी, पंडित जवाहर लाल नेहरू, बाबा साहेब डॉ० अम्बेडकर, डॉ०

राजेन्द्र प्रसाद, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस, शहीद भगत सिंह, सरदार पटेल सहित उन तमाम देशभक्तों के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ जिनके कठिन संघर्ष, त्याग और बलिदान ने हमें आजादी दिलायी और एक समृद्ध और समतामूलक राष्ट्र के निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ। स्वतंत्रता दिवस के इस पावन अवसर पर मैं, झारखण्ड के वीर सपूतों, धरती आबा बिरसा मुण्डा, वीर सिद्धो-कान्हू, बाबा तिलका मांझी, चांद-भैरव, बहन फूलो-झानों, वीर बुद्ध भगत, जतरा टाना भगत, नीलाम्बर-पीताम्बर, पाण्डेय गणपत राय, टिकैत उमराव, शहीद विश्वनाथ शाहदेव को भी नमन करता हूँ, जिनके संघर्ष की गौरव गाथा आज भी हमें साहस और संबल प्रदान करती है।

78वें स्वतंत्रता दिवस पर झंडा फहराने के बाद लालकिले से बोले पीएम मोदी-ह्यविकसित भारत का 2047 का लक्ष्य हम पूरा करके रहेंगे : आज इस पावन अवसर पर हमारे देश की सुरक्षा के लिए समर्पित वीर सैनिकों, सुरक्षा बलों और पुलिस के जवानों को, मैं स्वतंत्रता दिवस की बधाई देता हूँ। हमारे देश के वीर सैनिक कठोरतम परिस्थितियों में भी देश की सीमाओं की सुरक्षा कर रहे हैं। ऐसे सैनिकों की बहादुरी, त्याग और बलिदान पर देशवासियों को गर्व है।जब हम इतिहास के पन्नों को पलटते हैं तब हमें यह महसूस होता है कि हमारे पूर्वजों ने आजाद भारत के सपने को पूरा करने के लिए कितनी यातनाएँ झेली हैं।लम्बे संघर्ष के बाद हमें आजादी मिली और दासता के दुःख भरे इतिहास को भुलाकर स्वर्णिम भविष्य की आकांक्षाओं के साथ हमने एक ऐसे राष्ट्र के निर्माण का संकल्प लिया जहाँ न तो आर्थिक विषमता हो और न सामाजिक भेदभाव। आज के दिन हमें यह भी आत्मचिंतन करना चाहिए कि इस लक्ष्य को पाने में हम कहाँ तक सफल हुए हैं। मैं, नमन करता हूँ बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर को जिन्होंने सदियों से शोषित आदिवासियों, पिछड़ों और दलितों के जीवन स्तर को ऊँचा उठाने के लिए, उनको उनका हक दिलाने के लिए संवैधानिक सुरक्षा कवच दिया। बाबा साहब अम्बेडकर, मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा जैसे महापुरूषों के दूरदर्शी सोच का ही प्रतिफल है कि देश के आदिवासी, पिछड़े और दलित वर्ग सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक रूप से पहले की तुलना में सशक्त हुए हैं। झारखण्ड के प्रत्येक वर्ग और समुदाय के अपार स्नेह और आशीर्वाद से लगभग साढ़े चार वर्ष पूर्व हमारी सरकार का गठन हुआ।

संतोष कुमार गंगवार ने ध्वजारोहण किया

दुमका : 15 अगस्त यानी आज भारत अपना 78वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा है। स्वतत्रंता दिवस पर झारखण्ड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने झारखण्ड की उप राजधानी दुमका में ध्वजारोहण किया। स्वतत्रंता दिवस पर अपने संबोधन की शुरूआत संतोष गंगवार ने जय जोहार के साथ किया। झारखण्डवासियों को 78वें स्वतंत्रता दिवस की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए राज्यपाल ने कहा कि आज का दिन देशवासियों के लिए बहुत ही गर्व का दिन है। आज ही के दिन भारत ने सदियों की गुलामी के बाद ब्रिटिश दासता से मुक्ति पाई थी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 78वें स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले पर फहराया तिरंगा , अपने संबोधन में कहा-

देश को सांप्रदायिक सिविल कोड के स्थान पर धर्मनिरपेक्ष सिविल कोड की ओर जाना होगा

,हेंडिग,1

नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज 78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लगातार 11वीं बार लाल किले की प्राचीर से राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया। इस अवसर केन्द्रीय मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी, वरिष्ठ सैन्य अधिकारी और अन्य गणमान्य जन उपस्थित रहे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पहले गैर कांग्रेसी प्रधानमंत्री है जिन्होंने लगातार 11वीं बार लाल किले से तिरंगा फहराया है। प्रधानमंत्री सुबह पहले राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की समाधि राजघाट गए और उन्होंने राष्ट्रपिता को श्रद्धासुमन अर्पित किए। इसके बाद उन्होंने लाल किले पहुंच कर गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया।

लालकिले की प्राचीर से एक समान नागरिक संहिता पर जोर देते हुए कहा कि संविधान निमार्ताओं ने इसका सपना देखा था और हमें इसे पूरा करना होगा। देश को सांप्रदायिक सिविल कोड के स्थान पर धर्मनिरपेक्ष सिविल कोड की ओर जाना होगा। अपने भाषण में प्रधानमंत्री ने देशवासियों को जाति और धर्म से ऊपर उठकर देश के लिए काम करने की अपील की। उन्होंने कहा कि समान नागरिक संहिता देश में चर्चा का विषय है। सुप्रीम कोर्ट भी अगल-अलग नागरिक संहिता पर चिंता व्यक्त कर चुका है। ऐसे में देश को सांप्रदायिक सिविल कोड के स्थान पर धर्मनिरपेक्ष सिविल कोड की ओर जाना होगा।

18 अगस्त को पाकुड़ जिले में बहन- बेटियों के खाते में डीबीटी के माध्यम से एक हजार रुपए की सम्मान राशि

हस्तांतरित कर झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का करेंगे शुभारंभ

रांची : 18 अगस्त को पाकुड़ जिले में महिला लाभुकों के खाते में डीबीटी के माध्यम से एक हजार रुपए की सम्मान राशि हस्तांतरित कर झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का करेंगे शुभारंभ ।

मुख्यमंत्री ने आज मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में मुख्य सचिव एल०खियांग्ते, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के सचिव मनोज कुमार तथा सूचना एवं प्रौद्योगिकी सचिव विप्रा भाल और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न जिलों के उपायुक्तों के साथ बैठक कर इस महत्वाकांक्षी योजना के लिए विशेष शिविरों में मिल रहे आवेदनों और अब तक स्वीकृत आवेदनों की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को कई अहम निर्देश दिए।

एसएमएस के माध्यम से महिला लाभुकों को जानकारी दें : मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के लिए जो महिलाएं आवेदन कर रहीं हैं, उनके आवेदन की प्राप्ति एवं स्वीकृति के साथ चयनित लाभुकों को उनके बैंक खाते में सम्मान राशि हस्तांतरित किए जाने की जानकारी एसएमएस के माध्यम से दें, ताकि उनको यह पता चल सके कि राज्य सरकार द्वारा झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की सम्मान राशि उनके बैंक खाते में डाली जा चुकी है। उन्हें साइबर अपराध से बचाव को लेकर एसएमएस के माध्यम से जागरूकता संदेश भी भेजें।

सम्मान राशि जारी करने की तारीख तय होनी चाहिए : मुख्यमंत्री ने महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के लाभुकों के खाते में हर महीने की एक निश्चित तारीख तक सम्मान राशि हस्तांतरित करना सुनिश्चित करें। सम्मान राशि हस्तांतरित करने में किसी प्रकार का विलंब नहीं होना चाहिए । महिला लाभुकों के खाते में हर महीने इस योजना की सम्मान राशि हस्तांतरित होनी चाहिए।

55 प्रतिशत से ज्यादा आवेदनों को मिल चुकी है स्वीकृति : मुख्यमंत्री को अधिकारियों ने बताया कि झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के लिए चल रहे विशेष शिविरों में अब तक 36 लाख 69 हजार 378 महिलाओं के आवेदन मिल चुके हैं। इनमें 20 लाख 37 हजार 754 आवेदन स्वीकृत किए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आवेदन लेने की प्रक्रिया में अभी भी जो त्रुटियां आ रही हैं, उसे अविलंब दूर करें, ताकि इस योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन देने से कोई भी पात्र महिला वंचित न रहे।

18 अगस्त तक विशेष शिविरों का होगा आयोजन : मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के लिए महिलाओं से आवेदन लेने के लिए विशेष शिविर को 18 अगस्त तक जारी रखें। उन्होंने यह भी कहा कि यह सतत चलने वाली एक योजना है । इसके तहत जो भी योग्य लाभुक होंगी, वे कभी भी प्रज्ञा केंद्रों के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकती हैं। आवेदन जमा करने की प्रक्रिया निरंतर चलती रहेगी।

केंद्र करता रहा अनसुना, सुप्रीम कोर्ट ने दिया झारखंड को न्याय : विनोद पांडे

रांची: केंद्र सरकार पर झारखंड के बकाए एक लाख 36 हजार करोड़ रुपये के मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने स्वागत किया है झामुमो महासचिव विनोद पांडेय ने कहा है कि लंबे संघर्ष के बाद आज ये दिन आया है, जब सुप्रीम कोर्ट ने राज्य की जनता के हित में फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के प्रति वो आभार व्यक्त करते हैं। बकाया राशि को लेकर बार-बार केंद्र सरकार के पास गुहार लगाने के बावजूद उनके कानों पर जूं तक नहीं रेंग रहा था। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने राज्य का हक अधिकार देने का काम किया। विनोद ने कहा कि शुरू से ही केंद्र सरकार राज्य के हिस्से का बकाया राशि देने में आनाकानी कर रही थी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इस बकाए राशि को लेकर देश के प्रधानमंत्री से लेकर गृह मंत्री तक से फरियाद लगाई थी लेकिन हुआ कुछ भी नहीं। अब सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से ना सिर्फ झारखंड, बल्कि दूसरे खनन वाले राज्यों को भी फायदा होगा। अब राज्य खनन वाली कंपनियों पर टैक्स लगा पाएगी। बकाया राशि के भुगतान से राज्य की विकास योजनाओं को गति मिलेगी। राज्य की हेमंत सोरेन सरकार प्रदेश की जनता के लिए और भी कई नई कल्याणकारी योजनाओं का शुभारंभ करने की ओर कदम बढ़ा पाएगी।

e-Procurement Cell
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER, BUILDING CONSTRUCTION DEPARTMENT, BUILDING DIVISION NO. – 1, RANCHI
(Behind State Guest House Morhabadi), Dindayal Nagar Booty Road Ranchi-834008

Short Term e-Procurement Notice
Date – 14-08-2024

Sl. No.	Tender Reference No.	Work Name	Amount (Rs.)	Completion Time
1	BCD/Div.No.-1, Ranchi/27/2024-25	Proposed Museum in Lakshmi Niwas Building at Krishi Bhawan Campus, Kanke Road, Ranchi	29208108	Nine Month
2	Start Date of Submission of Bids		22-08-2024 at 11.00 AM	
3	Last Date/Time of Submission of Bids		29-08-2024 at 11.00 AM	
4	Date/Time of Opening of Bid		30-08-2024 at 11.00 AM	
5	Helpline Number of e-procurement Cell		8527519262	
6	e-mail ID		eebcddiv1ranchi@gmail.com	

Note :- Cost of bidding document (Non Refundable) & Bid Security Shall be payable on online through http://Jharkhandtenders.gov.in
Any Change can be on Website http://Jharkhandtenders.gov.in
Any Other information can be on Website http://Jharkhandtenders.gov.in

Executive Engineer
Building Construction Department
Building Division No. 1, Ranchi

PR 332836 Building(24-25)#D

आप खिलाड़ियों पर झारखंडवासियों को गर्व : हेमन्त सोरेन

रांची:मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन एवं विधायक कल्पना सोरेन से बुधवार को कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में 63वें अंतरराष्ट्रीय सुब्रतो कप अंडर-17 बालिका वर्ग फुटबॉल प्रतियोगिता की चैंपियन टीम झारखंड के खिलाड़ियों ने मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने झारखंड अंडर-17 बालिका वर्ग की विजेता टीम के खिलाड़ियों को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों से कहा कि आपकी यह उपलब्धि समस्त झारखंडवासियों को गर्व की अनुभूति कराती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सभी खिलाड़ियों ने एक चैंपियन टीम के अनुरूप शानदार प्रदर्शन कर देश और दुनिया में झारखंड का नाम रोशन कर दिखाया है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री एवं कल्पना सोरेन ने उपस्थित सभी खिलाड़ियों को मुंह मीठा कराकर उनका हौसला अफजाई की तथा उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। मौके पर विधायक कल्पना सोरेन ने बालिका खिलाड़ियों के प्रदर्शन एवं मेहनत की प्रशंसा की। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि आप सभी बेहतरीन खिलाड़ी हैं, आगे भी आप मेहनत इसी तरह जारी रखें और राज्य का नाम रोशन करते रहें। मौके पर मुख्यमंत्री एवं विधायक कल्पना सोरेन ने बालिका खिलाड़ियों को स्पोर्ट्स किट बैग प्रदान किया।

इस अवसर पर स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टर आदित्य रंजन, राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन सोरेंग, अंडर -17 बालिका वर्ग फुटबॉल

JHARKHAND URJA SANCHARAN NIGAM LIMITED
CIN: U40108JH2013SGC001704
Regd. Office: SLDC Building, Kusai Colony, Doranda, Ranchi – 834002, JH
Phone: 0651-2400804 Website: www.jusnl.in
Office of the General Manager Transmission Zone – IV, Medininagar (Daltonganj)
Address-Sudna, Daltonganj • e-mail : gmtzdal@gmail.com

TENDER NOTICE

Sealed tender is invited in two parts Part-I as Technical & Commercial, Part-II as Price Part (Both in two seperate sealed envelopes super scribed with NIT No. and Part) from reputed and experienced agencies/ firms for the following work:

Sl. No.	NIT No.	Description of work	Cost of B.O.Q (Non-refundable)	EMD (Rs.)
1.	136/PR/JUSNL/ 2024-25	Missing members replacement including fabrication work and tack welding of nut & bolts in towers in 132kV D/C Bhagodih – Garhwa road Transmission line under TSD, Garhwa road.	Rs.1476.00 (Rs.1250+ SGST@9% +CGST@9%)	Rs.15,100.00

Note :-
1. Start date for sale of tender documents :- 16.08.2024 from 02:00 PM
2. Last date for sale of tender documents :- 09.09.2024 upto 05:00 PM
3. Last date & time of submission of tender document :- 10.09.2024 upto 05:00 PM
4. Due date & time of opening of tender document Part-I :- 11.09.2024 at 12:30 PM
5. Tender documents along with terms and conditions can be purchased from the office of General Manager, Transmission Zone-IV, Medininagar on payment of cost of BOQ (Non-refundable) in shape of D.D drawn in favour of **Accounts Officer, Transmission Zone-IV, Daltonganj** payable at Daltonganj on any working day.
6. No postal transaction of purchase/ submission of tender documents shall be entertained.
7. The undersigned reserves the right to issue the tender documents/ extend the date of sale/ submission/ opening of tenders and distribute the works among the tenderers or reject any/ all tenders without assigning any reason thereof.
8. For any clarifications, please contact on Mobile No. 9771850485.

स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचावें। कृपया अपनी शिकयतों को टॉल फ्री नं० 1800 345 6570 पर दर्ज करायें।

Sd/-
General Manager
Transmission Zone-IV, Medininagar

PR 332759 (Jharkhand Urja Sancharan Nigam Ltd) 24-25 (D)

चुनाव आयोग के नोटिस से भाजपा का झामुमो पर भ्रष्टाचार का आरोप मजबूत हुआ : प्रतुल शाहदेव

मेट्रो रेज

5

रांची:भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने बुधवार को चुनाव आयोग के द्वारा बहरागोड़ा के विधायक समीर मोहंती पर चुनावी खर्च में सीमा से ज्यादा खर्च करने पर नोटिस किए जाने का स्वागत किया। प्रतुल ने कहा कि भाजपा ने उस समय भी कहा था कि पिछले लोकसभा चुनाव में महागठबंधन के घटक दलों ने जमकर पैसे बहाए और मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिश की। इस बात का पुख्ता सबूत इसी बात से हो गया कि समीर मोहंती ने खुद पत्र लिखकर पूर्वी सिंहभूम के कांग्रेस जिला अध्यक्ष पर उनके द्वारा दिए गए ?6000 प्रति बूथ खर्च में से ?2000 निकालने का आरोप लगाया था।

प्रतुल ने कहा कि पूरे जमशेदपुर लोकसभा के 1887 बूथ पर ?6000 प्रति बूथ खर्च के हिसाब से कुल 1.13 करोड़ से ज्यादा रुपये का खर्च आता है। ये सिर्फ अंतिम दिन का खर्च है। चुनाव प्रचार का खर्च इसमें जुड़ा हुआ नहीं है। ये राशि चुनाव आयोग के तय किये गए सीमा से बहुत ज्यादा था। प्रतुल ने कहा जब समीर मोहंती इस पत्र को लिखने के बाद घिरे तो उन्होंने पाला झाड़ने के लिए इस पत्र को फर्जी बताया लेकिन आश्चर्जनक रूप से उन्होंने आज तक इस मुद्दे पर प्राथमिकी दर्ज नहीं की। यही साफ दिखता है कि यह पत्र सही था। प्रतुल ने चुनाव आयोग से भी आग्रह किया कि वह आगामी विधानसभा चुनाव में महागठबंधन के उम्मीदवारों के खर्च की करीब से मॉनिटरिंग करे। प्रतुल ने कहा कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने 17 जून को ही मुख्य चुनाव आयुक्त को पत्र लिखकर समीर मोहंती के पत्र के पूरे प्रकरण की जानकारी दी थी और उनकी सदस्यता रद्द करने की अपील की थी। प्रतुल ने कहा कि बाबूलाल मरांडी ने अपने पत्र में पूरे घटना का विस्तृत विवरण देते हुए यह बताया था कि किस तरीके से चुनाव आयोग की सीमा से बहुत ज्यादा खर्च समीर मोहंती ने किया है। बाबूलाल मरांडी ने इस पूरे प्रकरण की सीबीआई जांच की भी मांग की थी।बहरहाल चुनाव आयोग के नोटिस के बाद एक बार फिर से भाजपा द्वारा पिछले लोकसभा चुनाव में महागठबंधन के उम्मीदवारों के द्वारा बेहिसाब पैसा खर्च के आरोप को बल मिला है।

झारखण्ड सरकार
वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्त्तन विभाग
न्यायालयः- प्राधिकृत पदाधिकारी–सह–वन प्रमण्डल पदाधिकारी, खूँटी वन प्रमण्डल, खूँटी

सूचना

सर्व साधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि खूँटी वन प्रमण्डल के प्रशासनिक क्षेत्राधीन भारतीय वन अधिनियम, 1927 (संपठित बिहार संशोधन, 1989) के सुसंगत प्रावधानों के उल्लंघन के विरूद्ध भिन्न–भिन्न वन अपराध के क्रम में जप्त वन पदार्थों पर प्राधिकृत पदाधिकारी–सह–वन प्रमण्डल पदाधिकारी, खूँटी वन प्रमण्डल के न्यायालय में भारतीय वन अधिनियम, 1927 (संपठित बिहार संशोधन, 1989) के अन्तर्गत निहित प्रावधानों के तहत राज्यसात की कार्रवाई चल रही है, जिसमें संबंधित पक्षों को प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित सुनवाई की तिथि 23.08.2024 को 11:00 बजे पूर्वाह्न में सस्मय प्राधिकृत पदाधिकारी–सह–वन प्रमण्डल पदाधिकारी, खूँटी वन प्रमण्डल के न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखें, अन्यथा न्यायालय द्वारा उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर एकतरफा निर्णय ले लिया जाएगा। भिन्न–भिन्न वन अपराध के क्रम में जप्त वन पदार्थ तथा वन वाद से संबंधित अधिहरण वाद की विवरणी निम्नवत् है :–

क्रं० सं०	अधिहरण वाद सं०	जप्त वन पदार्थ की विवरणी	अभियुक्त का नाम एवं पता
1	2	3	4
1	62/2024	साल बोटा–08 अदद	अज्ञात
2	53/2024	1. साल चौखट–15 अदद, 2. पटरा–26 अदद एवं 3. अर्धनिर्मित टेबल–1 अदद	अज्ञात
3	67/2024	1. साईकिल–3 अदद एवं 2. साल चिरान–13 अदद	अज्ञात
4	61/2024	साल बोटा–48 अदद	अज्ञात
5	59/2024	साल बल्ली–20 अदद	अज्ञात
6	52/2024	साल बोटा–46 अदद	अज्ञात
7	72/2024	साल बोटा–50 अदद	अज्ञात
8	71/2024	1. सिल्वर रंग की ओमनी भान संख्या–BR-14J-0693 एवं 2. साल चिरान–10 अदद	अज्ञात
9	70/2024	साल बोटा–12 अदद	अज्ञात
10	63/2024	साल बोटा–32 अदद	अज्ञात
11	58/2024	साल बोटा–16 अदद	अज्ञात

ह0/–
प्राधिकृत पदाधिकारी–सह–वन प्रमण्डल पदाधिकारी,
खूँटी वन प्रमण्डल, खूँटी

PR 332771 Forest, Environment and Climate Changes(24-25)#D

जेके इंटरनेशनल स्कूल में स्वतंत्रता दिवस मनाया गया

मेट्रो रेज

जेके इंटरनेशनल स्कूल, अगरू रातु रांची में 15 अगस्त को विद्यालय प्रांगण में हर्षोल्लास के साथ 78 वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया । विद्यालय के चेयरपर्सन जितेंद्र सिंह और प्राचार्य रंजीता सहाय ने झंडोतोलन कर विद्यार्थियों के साथ राष्ट्रीय गान का गायन किया।एन सी सी विद्यार्थियों के द्वारा परेड की गई। प्राचार्य रंजीता सहाय ने विद्यार्थियों के समक्ष स्वतंत्रता दिवस की महता को बताते हुए उन वीरों की याद दिलाई जिन्होंने देश को आजाद करवाने में अपनी जान की कुबार्नी दी थी। विद्यार्थियों के द्वारा रंगारंग कार्यक्रम में देशभक्ति के गाने और नृत्य प्रस्तुत किए गए। जिससे विद्यालय प्रांगण में देश के प्रति सम्मान और भक्ति की लहर दौड़ गई ।विद्यालय में उपस्थित सभी ने कार्यक्रम का आनंद लिया। प्राचार्य ने कार्यक्रम को देखते हुए विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि वास्तव में विद्यार्थियों द्वारा किया गया कार्यक्रम और शिक्षकों द्वारा की गई मेहनत काफी सराहनीय है।

पुलिस लाइन में एसएसपी ने फहराया झंडा

रांची के पुलिस लाइन में एसएसपी ने फहराया झंडा, इस मौके पर रांची एसएसपी के साथ डीसी सिटी एसपी ग्रामीण एसपी डीडीसी एसडीएम सहित कई अधिकारी मौजूद रहे वही इस दौरान रांची जिला में पदस्थापित पुलिस पधाधिकारी जिसने बेहतर और उत्कृष्ट कार्य किए है वैसे 40 से अधिक पुलिस पदाधिकारी को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया वही इस दौरान मंच से रांची एसएसपी ने घोषणा किया है की वैसे पुलिस पदाधिकारी जो निलंबित थे।

आजसू के केंद्रीय सचिव जितेंद्र सिंह लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र के चुनाव प्रभारी मनोनीत

मेट्रो रेज

रांचीः आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो के निदेर्शानुसार बुधवार को केंद्रीय सचिव सह रांची महानगर प्रभारी जितेंद्र सिंह को लोहरदगा विधानसभा चुनाव प्रभारी मनोनीत किया गया है। मौके पर सुदेश कुमार महतो ने कहा कि जितेंद्र के अनुभव और प्रगतिशील नेतृत्व में लोहरदगा में आवश्यक राजनीतिक परिवर्तन को नई धार और दिशा मिलेगी। इस दौरान जितेंद्र सिंह ने कहा कि केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो और आजसू पार्टी ने मुझ पर भरोसा करते हुए जो जिम्मेदारी सौंपी है उसे पूरी निष्ठा के साथ निवर्हन करूंगा। लोहरदगा में संगठन को और अधिक मजबूती प्रदान करना, कार्यकताओं और पदाधिकारियों के बीच समन्वय स्थापित करना और जनता के सुख दुःख में साथ रहना मेरी प्राथमिकता रहेगी। जितेंद्र सिंह को लोहरदगा विधानसभा चुनाव प्रभारी मनोनीत किए जाने पर आजसू पार्टी के केंद्रीय समिति, रांची जिला समिति, रांची महानगर समिति, आजसू बुद्धिजीवी मंच, युवा आजसू, आजसू छात्र संघ के पदाधिकारियों ने बधाई दी।

सब्जी व्यवसायी से 2.42 लाख लूट मामले में दो अपराधी गिरफ्तार

रांचीः रांची के सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के माउंट मोटर गली में सब्जी कारोबारी से दो लाख 42 हजार लूट मामले में पुलिस ने दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों में राहुल बड़ाईक और बॉबी लोहरा शामिल है। दोनों सुखदेव नगर थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। इनके पास से पुलिस ने लूट में इस्तेमाल किया गया स्कूटी और आठ हजार 500 रुपये नगद बरामद किए हैं। एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बुधवार को बताया कि 13 अगस्त को सब्जी व्यवसायी से 2,42,000 रुपया को स्कुटी पर सवार दो अज्ञात अपराधकर्मियों के द्वारा माउन्ट मोटर गली के पास लूट लिया गया था। इसके बाद इस संबंध में बंशी कुमार ने सुखदेवनगर थाना में मामला दर्ज कराया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए परीक्ष्यमान पुलिस उपाधीक्षक दुसरू बान सिंह के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार किया।

रक्षा राज्य मंत्री की पहल पर रांची को एक नई ट्रेन की मिली सौगात

रांचीः रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ की पहल पर एक और नई ट्रेन की सौगात रांची लोकसभा क्षेत्र को मिली है। टाटा से जयनगर तक चलने वाली सप्ताहिक ट्रेन (ट्रेन नंबर 18119) जो टाटानगर से शुक्रवार को संध्या 6:50 पर शाम को चलेगी, वह दूसरे दिन 11:30 सुबह बजे जयनगर पहुंचेगी।

टाटा से यह चलने वाली ट्रेन चांडिल, मुरी, कोटशिला, राजाबेरा, धनबाद, मधुपुर, जसीडीह, झाझा, किउल, बरौनी, समस्तीपुर, दरभंगा, मधुबनी, होते हुए जयनगर पहुंचेगी। वहीं, जयनगर से टाटा (ट्रेन नंबर 18120) यह शनिवार को चलेगी। संजय सेठ ने इस नई ट्रेन की सौगात के लिए केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रति आभार जताया है। उन्होंने कहा है कि इस ट्रेन के चलने से चांडिल, मुरी के लोगों को इसका लाभ मिलेगा। इसके अलावा सेठ की पहल पर सीबीएसई का रिजनल ऑफिस भी रांची में खुलने की अधिसूचना जारी हो गई है।

डीजीपी अनुराग गुप्ता ने ध्वजारोहण किया

रांचीः झारखण्ड पुलिस मुख्यालय में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर डीजीपी अनुराग गुप्ता ने ध्वजारोहण किया ध्वजारोहण के बाद उन्होंने सम्बोधित करते हुए राज्य पुलिस की उपलब्धियां गिनाई।डीजीपी ने अपने संबोधन में कहा कि झारखण्ड से नक्सलवाद का लगभग खात्मा हो चुका है।बाकी बचे नक्सली जंगल में छुपे हुए हैं, उन्हें भी किसी कीमत पर बख्सा नहीं जाएगा। साइबर अपराध को लेकर भी डीजीपी ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि झारखण्ड से साइबर अपराधियों को खत्म करके ही पुलिस दम लेगी। डीजीपी अनुराग गुप्ता ने झारखण्ड पुलिस के सभी अफसर और कर्मियों को स्पष्ट कर दिया है कि वह पब्लिक फ्रेंडली बने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर तिरंगा फहराने के बाद पुलिस मुख्यालय में डीजीपी अनुराग गुप्ता ने कहा कि झारखण्ड में नक्सलवाद खत्म होने के कगार पर है।

सूक्ति

उठो और तब तक चलो जब तक की तुम्हें तुम्हारी मंजिल नहीं मिल जाती है। - विवेकानंद

एक और निर्भया कांड

दुर्भाग्य है कि जिन्हें हम ह्यजीवन-रक्षकह्ल मानते हैं, ह्यजीवन-दाताह्ल भी कहते हैं और कई असाध्य बीमारियों के संदर्भ में भगवान से भी तुलना करते हैं, ऐसी ही एक महिला डॉक्टर के साथ बर्बर बलात्कार और अंततः हत्या का ह्यराक्षसी कामह्ल किया गया है। उनके साथी डॉक्टर ही नहीं, देश भर के डॉक्टरों का रोष और आंदोलन अब भी जारी है। करीब 3-4 लाख चिकित्सक देश भर में विरोध-प्रदर्शन को बाध्य किए गए हैं, लिहाजा अपने दायित्व को भी पीछे छोड़ कर वे अपने अस्तित्व और सुरक्षा की लड़ाई लड़ रहे हैं। देश में महिला डॉक्टर और नर्स, अस्पताल के परिसर में होने के बावजूद, सुरक्षित नहीं हैं। उन बलात्कारियों को ह्यदरिंदाह्ल कहें या कुछ और करार दें, वे कमोबेश इनसान नहीं हैं। उन्होंने मानवीय लबादा ओढ़ रखा है। कोलकाता के आरजीकर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल का यह मामला एक और ह्यनिर्भयाह्ल कांडह्ल है। महिला ट्रेनी डॉक्टर की आंखों में उसके चश्मे का शीशा घुस गया, क्योंकि ह्यराक्षसह्ल ने चश्मे पर भी वार किया था। डॉक्टर के प्राइवेट पार्ट और छाती पर काफी गहरी चोट के निशान मिले हैं। सिर दीवार पर मारा गया था, लेकिन हत्या गला दबा कर की गई। ये पोस्टमॉर्टम के संक्षिप्त निष्कर्ष हैं। अच्छा हुआ कि कलकत्ता उच्च न्यायालय के हस्तक्षेप से जांच सीबीआई को सौंप दी गई है, लेकिन मामला आईने की तरह सब कुछ बयां कर रहा है। ऐसे ह्यदानवह्ल की सजा फांसी होनी चाहिए। मामला किसी गांव अथवा नाबालिग का नहीं है, जिसमें बहुस्तरीय जांच की दरकार होती है। पीड़िता भी बहुत कुछ बोल नहीं पाती। यह वीभत्स दुष्कर्म तो अस्पताल के सेमिनार रूम में किया गया, जहां 36 घंटे की लंबी ड्यूटी के बाद महिला डॉक्टर आराम करने या सोने गई थी। इस व्यवस्था पर भी सवाल होने चाहिए कि अस्पताल में सोने की समुचित व्यवस्था क्यों नहीं की गई थी? दरअसल सुरक्षा बंदोबस्त और उनके कारगर होने के बीच ह्यगहरी खाईह्ल है, इस केस से यह भी साबित हो गया। सवाल पुलिस की भूमिका पर भी उठाए जा रहे हैं, जिसने ऐसे बलात्कारी को ह्यवॉलंटियरह्ल बना रखा है। दुष्कर्म की घटना के 5 दिन बाद तक भी पुलिस किसी शुरूआती निष्कर्ष पर नहीं पहुंच पाई थी, लिहाजा अदालत ने जांच सीबीआई को सौंप दी। देश की राजधानी दिल्ली में जब 16 दिसंबर, 2012 की गहरी रात में ह्यनिर्भयाह्ल कांडह्ल किया गया था और उसके बाद यौन हमलों, शोषण और उत्पीड? को लेकर नया कानून बनाया गया था, संसद खूब चीखी थी, तब कुछ सुकून महसूस हुआ था कि अब दरिंदगी कमोबेश कम होनी चाहिए, लेकिन वे प्रलाप ह्यनारी-शक्तिह्ल तक ही सीमित रहे और औसत महिला की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं हो पाई। बलात्कार और हत्याएं तो आज भी देश भर में होती हैं। यह डॉक्टर का और वह भी अस्पताल के भीतर का मामला है, लिहाजा ज्यादा गंभीर और संवेदनशील है। कोलकाता से लेकर मुंबई तक महिला डॉक्टरों के साथ जघन्य अपराधों के मामले सामने आते रहे हैं। गंभीर चिंता और सरोकार का मुद्दा है कि यह वहशीपन कब समाप्त होगा? समाज और देश मनोविकृतियों के बीमार हैं क्या? केंद्र सरकार ने ह्यनिर्भयाह्ल फंडह्ल बनाया था। मौजूदा बजट में 100 फीसदी आवंटन बढ़ाया गया है, लेकिन 2013-22 का पूरा डाटा निराश करता है, क्योंकि 50 फीसदी से भी कम बजट खर्च किया गया है। या तो निष्क्रियता है अथवा प्रशासन गंभीर नहीं हैं! 2020-21 में उच्च शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण किया गया जिसमें चिकित्सा की पढ़ाई करने वाले पुरुष और महिला का अनुपात 1:1 था। नर्सिंग में 100 पुरुष पर 310 महिलाएं यह पढ़ाई कर रही थीं। कार्यस्थल पर महिला के यौन उत्पीड? को लेकर 2013 में कानून बना था, लेकिन उसकी व्यवस्था भी आधी-अधूरी रही है। जहां कानून लागू किया गया है, वह आधे मन से किया गया है। सर्वोच्च अदालत ने भी मई, 2023 में ह्यसुरक्षित कार्यस्थलह्ल को लेकर अथॉरिटी, प्रबंधन, नियोक्ताओं को तलब किया था। वे दफ्तर में सुरक्षित और संरक्षित माहौल मुहैया कराने में नाकाम रहे थे। फिर भी अस्पताल के भीतर इतनी बर्बर और वीभत्स घटना हो गई! यह चिंताजनक है।

पालमपुर के पांव कहां तक

सोशल मीडिया की एक बहस में पालमपुर का आकाश, पालमपुर का विकास, पालमपुर के दाग और जिला मुख्यालय बनने के ख्वाब आपस में झगड़ रहे हैं। शहर के बुद्धिजीवियों के समक्ष चिंतक, विचारक एवं वरिष्ठ पत्रकार रविंद्र सूद ने यह जानने की कोशिश की कि पालमपुर को जिला बनाना कितना सार्थक होगा। बेशक जनता अपने भविष्य की खिड़कियां खोलना चाहती है, लेकिन इस क्रांति के लिए नए जिलों की मुहिम ठुकरा दी जाती है। यह एक केस हिस्ट्री की तरह हिमाचल की चुनौतियों और समाधानों के बीच शहरी विकास की रूपरेखा पर चिंता प्रकट करता है। पालमपुर ने भविष्य की तलाश में जो अतीत खोया, उसके ऊपर विचार विमर्श न करें, तो असहाय समाज की बेडि?ां गिनी जा सकती हैं। आगे बढ? की रफ्तार में रोती-छटपटाती चाय की झाडि?ों को उखाडकर सुकून पाने की व्यापारिक लालसा को न समझा, तो ट्रैफिक जाम में फंसे शहर की रोज अर्थी निकलेगी। जिस बाजार में टहलते हुए शहर सदा जवान और ऊजार्वान लगता था, आज उसी की सुबह में शाम सी खामोशी इसलिए क्योंकि वाहनों ने रौंद दी शहर की जुबां। बचाओ जहां शहर चीख रहा है। वह तो घुग्गर टांडा, सुग्घर, आईमा, सुग्घर विंद्रावन, मारंडा, बनूरी और खलेट तक चीखने लगा। पालमपुर को पहले नगर और फिर नगर निगम के चरित्र में तो सफल होने दो। हम जिसे शहर मान रहे हैं, वह भू माफिया की गिरफ्त में रोता-बिलखता शहर है, जहां नालों या खड्डों को बहने की फुर्सत नहीं। देखना इस बरसात में किस इमारत ने बहते पानी को धोखा दिया। हम या धोखाधड़ी में बिकते सुकून को शहर मान बैठे या राजनीति के खेल में पालमपुर को दुकान मान बैठे। हिम्मत है तो लड़ो पालमपुर के अतीत और उस पर चिन्हित गौरव के लिए। है हिम्मत तो बचाओ शहर के बीच कृषि विश्वविद्यालय के महत्त्व को, वरना पर्यटक गांव को विकास मानकर बिकने दो अध्ययन की जमीन को। पर्यटन तो चाय की पत्तियों पर भी उगता है। धीरे से देखना कैसे चाय के पौधों की जगह कंक्रीट का पौधारोपण हो गया। कल बचा खुचा बंदला भी जब बिकेगा और पालमपुर पत्थरों पर आबाद दिखेगा, तो फिर सुकून के लिए चंडीगढ़ के आसपास फ्लैट खोज लेना। पालमपुर को पालमपुर की पहचान और पालमपुर की क्षमता में ही विकसित होना है। पहले पंद्रह वार्डों के लिए ऐसे पार्षदों को आगे भेजना सीखो, जो नगर निगम के माध्यम से नागरिक सुकून, शहरी आर्थिकी, शहर की परिकल्पना में ताजगी और इसकी पृष्ठभूमि को गंवाए बिना वर्तमान के संरक्षण में भविष्य की रूपरेखा बना सकें। पालमपुर की तरह बिलासपुर में घुमारवीं, मंडी में सरकाघाट, हमीरपुर में नादौन, कांगड़ा में ज्वालाजी, ऊना में चिंतपूर्णी, कांगड़ा में कांगड़ा, सिरमौर में पांवटा साहिब और सोलन से कहीं विस्तृत आकार में बीबीएन इत्यादि फैल रहे हैं, तो क्या इन्हें भी जिलों के ताज पहना दिए जाएं। इसके विपरीत हिमाचल में शहरी विकास के प्रति नई चेतना, प्राथमिकता व वित्त पोषण की व्यवस्था होनी चाहिए। कायदे से अगर टीसीपी कानून की संवेदना, परिपक्वता, सार्थकता व शहरी विकास योजना के तहत आगे बढ़ें, तो पालमपुर का कल, आज और कल इसकी खासियत को प्रमाणित कर सकते हैं ।

अखंड भारत ही बनेगा विश्व गुरु

अखंड भारत स्मृति दिवस पर महर्षि अरविंद का स्मरण जरूरी है। भारतीय मनीषी और राष्ट्र के साथ एकात्म भाव रखने वाले महर्षि अरविंद ने विभाजन के असहनीय दर्द को आमजन की दृष्टि से देखने का आध्यात्मिक प्रयास किया। तब उनकी आंखों के सामने अखंड भारत का स्वरूप दिखाई दिया। योगीराज महर्षि अरविंद ने 67 वर्ष पूर्व 1957 में कहा था कि देर कितनी भी हो जाए, पाकिस्तान का विघटन और उसका भारत में विलय होना निश्चित है। राष्ट्र के प्रति इसी प्रकार का एकात्म भाव राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर उपाख्य श्रीगुरुजी के जीवन में भी दृष्टव्य होता रहा। वे अपने शरीर को भारत देश की प्रतिकृति ही मानते थे। जब भी देश पर कोई संकट आता था, तब उनके शरीर में वैसा ही कष्ट होता था। इसलिए कहा जा सकता है कि उनको राष्ट्र की समस्याओं का पूर्व आभास भी होता था।

सुरेश हिन्दुस्थानी

वर्तमान में जब कहीं से भी देश को तोड़ने की बात आती है तो स्वाभाविक रूप से उसका प्रतिकार भी जबरदस्त तरीके से होता है। यह प्रतिकार निश्चित रूप से उस राष्ट्रभक्ति का परिचायक है, जो इस भारत देश को देवभूमि भारत के रूप में प्रतिस्थापित करने का प्रमाण प्रस्तुत करने का अतुलनीय सामर्थ्य रखती है। यह आज के समय की बात है, लेकिन हम उस कालखंड का अध्ययन करें, जब भारत के विभाजन हुए। उस समय के भारतीयों के मन में विभाजन का असहनीय दर्द हुआ। जो असहनीय पीड़ा के रूप में उनके जीवन में प्रदर्शित होता रहा और देश को जगाते-जगाते वे परलोक गमन कर गए। अभी तक भारत देश के सात विभाजन हो चुके हैं। जरा कल्पना कीजिए कि अगर आज भारत अखंड होता तो वह दुनिया की महाशक्ति होता। उसके पास मानव के रूप में जनशक्ति का प्रवाह होता। लेकिन विदेशी शक्तियों ने भारत के कुछ महत्वाकांक्षी शासकों को प्रलोभन देकर भारत पर एकाधिकार किया और योजना पूर्वक भारत को कमजोर करने का प्रयास किया। आज जिस भारत की तस्वीर हम देखते हैं, वह अंग्रेजों और उन जैसी मानसिकता रखने वाले लालची भारतीयों द्वारा किए गए कुकृत्यों का परिणाम ही है, लेकिन आज भी भारत में एक वर्ग ऐसा भी है, जिनकी आंखों में अखंड भारत का सपना है। उनके मन में अखंड भारत बनाने का संकल्प है। इसी संकल्प के आधार पर वे सभी इस दिशा में सार्थक प्रयास भी कर रहे हैं।

अखंड भारत स्मृति दिवस पर महर्षि अरविंद का स्मरण जरूरी है। भारतीय मनीषी और राष्ट्र के साथ एकात्म भाव रखने वाले महर्षि अरविंद ने विभाजन के असहनीय दर्द को आमजन की दृष्टि से देखने का आध्यात्मिक प्रयास किया। तब उनकी आंखों के सामने अखंड भारत का स्वरूप दिखाई दिया। योगीराज महर्षि अरविंद ने 67 वर्ष पूर्व 1957 में कहा था कि देर कितनी भी हो जाए, पाकिस्तान का विघटन और उसका भारत में विलय होना निश्चित है। राष्ट्र के प्रति इसी प्रकार का एकात्म भाव राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर उपाख्य श्रीगुरुजी के जीवन में भी दृष्टव्य होता रहा। वे अपने शरीर को भारत देश की प्रतिकृति ही मानते थे। जब भी देश पर कोई संकट आता था, तब उनके शरीर में वैसा ही कष्ट होता था। इसलिए कहा जा सकता है कि उनको राष्ट्र की समस्याओं का पूर्व आभास भी होता था। जहां तक अखंड भारत की बात है तो यह मात्र कहने भर के लिए ही नहीं, बल्कि एक शाश्वत विचार है, जो आज भी भारत की हवाओं में गुंजायमान होता रहता है। विचार करने वाली बात यह भी है कि जब भारत देश के टुकड़े नहीं हुए थे, तब हमारा देश पूरे विश्व में ज्ञान का आलोक प्रवाहित कर रहा था। विश्व का सर्वश्रेष्ठ ज्ञान भारत के संत मनीषियों के पास विद्यमान था। इसलिए भारत के सिद्ध संत केवल भारत के संत न होकर जगद्गुरु के नाम से विख्यात हुए। उनकी दृष्टि में पूरा विश्व एक परिवार की तरह ही था। लेकिन ऐसा क्या हुआ कि भारत कई बार विभाजित होता रहा और आज जो भारत दिखाई देता है, वह भारत का एक टुकड़ा भर है। भारत के विभाजन का अध्ययन किया जाए तो हमें यह भी ध्यान में रखना होगा कि यह विभाजन भारत की भूमि के टुकड़े कर-के ही हुए हैं। जिस भारत को हम माता के स्वरूप में पूजते आए हैं, उसे कम से कम वे लोग तो स्वीकार नहीं कर सकते, जो भारत की भक्ति में लीन हैं। इतिहास का अध्ययन करने से पता चलता है कि महाभारतकालीन गांधार देश यानी आज का अफगानिस्तान वर्ष 1747 में भारत से अलग हो गया। इसी प्रकार 1768 से पूर्व नेपाल भी भारत का अंग ही था। 1907 में भारत से अलग होकर भूटान देश बना। 1947 में पाकिस्तान का निर्माण हुआ। 1948 में श्रीलंका अस्तित्व में आया। इसी प्रकार पाकिस्तान से अलग हुआ बांग्लादेश 1971 में एक अलग देश के रूप में स्थापित हुआ। जरा विचार कीजिए ये सभी देश आज भारत का हिस्सा होते तो भारत की शक्ति कितनी होती? आज कोई अखंड भारत की बात करता है तो कई लोग इसे असंभव कहने में संकोच नहीं करते। यहां पहली बात तो यह है कि हम किसी देश को छीनने की बात नहीं कर रहे हैं, बल्कि अपने देश के विभाजित भाग को भारत में मिलाने की ही बात कर रहे हैं। कभी भारत के हिस्से रहे देश को भारत में मिलाने की बात करना असंभव नहीं माना जा सकता। आज धीरे ही सही, लेकिन भारत उस दिशा की ओर प्रवृत्त हुआ है। जबकि जो देश भारत से अलग हुए हैं, उनमें से अधिकांश देश बहुत बुरे दौर से गुजर रहे हैं। श्रीलंका की स्थिति सबके सामने है। पाकिस्तान भी उसी राह पर बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है।

तय मानिए, 'भारत' भारत ही रहेगा

देश के मौजूदा प्रधानमंत्री के खिलाफ ऐसे भाव सिर्फ राजनीतिवश व्यक्त किए जा रहे हैं। एक और उदाहरण गौरतलब है कि लोकसभा में वक्फ बोर्ड संशोधन बिल पर चर्चा के दौरान सपा सांसद मौलाना मोहिबुल्ला ने धमकी भरे लहजे में कहा कि कहीं ऐसा न हो कि मुसलमान सड़कों पर उतर आएं! यह घोर असंसदीय टिप्पणी है, जिस पर स्पीकर ओम बिरला को तुरंत आपत्ति जतानी चाहिए थी और सत्ता पक्ष को भी विरोध दर्ज कराना चाहिए था। ऐसे ही बयानों के आधार पर मुसलमानों को भड़काने, सुलगाने की कोशिशें जारी हैं। उन्हें तुरंत कुचल देना चाहिए। कुछ राजनीतिक दल भी 'भारत में मुस्लिम बगावत' का समर्थन कर रहे हैं, क्योंकि मुसलमान उनके वोट बैंक हैं। वे सभी मुगालते में हैं कि मोदी सरकार को इसी तरह ध्वस्त किया जा सकता है, लिहाजा वक्फ के नए नेरेटिव के आधार पर वे मुसलमानों को भड़का, उकसा रहे हैं। सोशल मीडिया पर कुकुरमुत्ते की तरह उग रहे फर्जी विचारकों ने भी भारत में 'अपशकुनी आशंकाओं' के प्रलाप जारी रखे हैं। इस तरह एक व्यापक मजहबी, सियासी, सामाजिक और वैचारिक षड्यंत्र रचा जा रहा है, 15 अगस्त 1947 के पूर्व के संघर्ष को याद कीजिए । हमारा भारत आत्मा से लोकतांत्रिक देश है। तख्तापलट या राष्ट्रध्यक्षों, प्रधानमंत्रियों की हत्या करने के संस्कार हम भारतीयों के नहीं हैं। आंदोलन भारत में भी होते रहे हैं, क्योंकि यह संवैधानिक मौलिक अधिकार है, लेकिन आंदोलन भारत-विरोधी नहीं होते। भारत में भी राजनीतिक अस्थिरता के दौर रहे हैं, क्योंकि 1970 के दशक के बाद 'त्रिशंकु जनादेश' दिए गए हैं, लिहाजा

राकेश दुबे

हमारे देश में 'तिरंगा यात्रा' की धूम मची है। राष्ट्रध्वज 'तिरंगा' अभी से घर-घर और हाथों में लहरा रहा है। दूसरी ओर कुछ 'देशद्रोही' आवाजें उठ रही हैं कि भारत में भी बांग्लादेश जैसे हालात पैदा हो सकते हैं! आंदोलन और बगावत की नौबत आ सकती है! मणिशंकर अय्यर और सलमान खुर्शीद सरीखे नेताओं ने दोनों देशों की परिस्थितियों की तुलना की है कि दोनों की राय में देश में युवा असंतोष, आक्रोश चरम पर हैं। उनके अनुसार बेरोजगारी बहुत है। तीन दिन के बाद हम देश का 'स्वतंत्रता दिवस' मनाएंगे। आजादी को 77 साल बीत जाएंगे, इस विरोधाभासी तुलना के बाद भारत का लोकतंत्र और उसकी संप्रभुता जन्म से यथावत है। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री रहीं शेख हसीना 'तानाशाही फितरत' की थीं। उन्होंने विपक्ष का पूरी तरह दमन कर दिया था। भारत में भी कुछ लोग प्रधानमंत्री मोदी को 'तानाशाह' करार देते हैं। आरोप लगाते है की उन्होंने भी विपक्षी नेताओं के पीछे सरकारी एजेंसियां लगा रखी हैं। विपक्षी नेताओं को जेल में डाला जा रहा है। इन स्थितियों के मद्देनजर भारत में भी आंदोलनात्मक उफान आने का उन्हें अंदेशा है। दुर्भाग्य है कि अय्यर और खुर्शीद भारत सरकार में कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने यह बयान सार्वजनिक मंच से दिया है कि मोदी जी शेख हसीना की सलाह ले लें कि देश छोड़ कर कैसे भागना है? ऐसे बयान संवैधानिक मयार्दा और गरिमा का घोर अतिक्रमण है, क्योंकि देश के मौजूदा प्रधानमंत्री के खिलाफ ऐसे भाव सिर्फ राजनीतिवश व्यक्त किए जा रहे हैं। एक और उदाहरण गौरतलब है कि लोकसभा में वक्फ बोर्ड संशोधन बिल पर चर्चा के दौरान सपा सांसद मौलाना मोहिबुल्ला ने धमकी भरे लहजे में कहा कि कहीं ऐसा न हो कि मुसलमान सड़कों पर उतर आएं! यह घोर असंसदीय टिप्पणी है, जिस पर स्पीकर ओम बिरला को तुरंत आपत्ति जतानी चाहिए थी और सत्ता पक्ष को भी विरोध दर्ज कराना चाहिए था। ऐसे ही बयानों के आधार पर मुसलमानों को भड़काने, सुलगाने की कोशिशें जारी हैं। उन्हें तुरंत कुचल देना चाहिए। कुछ राजनीतिक दल भी 'भारत में मुस्लिम बगावत' का समर्थन कर रहे हैं, क्योंकि मुसलमान उनके वोट बैंक हैं। वे सभी मुगालते में हैं कि मोदी सरकार को इसी तरह ध्वस्त किया जा सकता है, लिहाजा वक्फ के नए नेरेटिव के आधार पर वे मुसलमानों को भड़का, उकसा रहे हैं। सोशल मीडिया पर कुकुरमुत्ते की तरह उग रहे फर्जी विचारकों ने भी भारत में 'अपशकुनी आशंकाओं' के प्रलाप जारी रखे हैं। इस तरह एक व्यापक मजहबी, सियासी, सामाजिक और वैचारिक षड्यंत्र रचा जा रहा है, 15 अगस्त 1947 के पूर्व के संघर्ष को याद कीजिए । हमारा भारत आत्मा से लोकतांत्रिक देश है। तख्तापलट या राष्ट्रध्यक्षों, प्रधानमंत्रियों की हत्या करने के संस्कार हम भारतीयों के नहीं हैं। आंदोलन भारत में भी होते रहे हैं, क्योंकि यह संवैधानिक मौलिक अधिकार है, लेकिन आंदोलन भारत-विरोधी नहीं होते। भारत में भी राजनीतिक अस्थिरता के दौर रहे हैं, क्योंकि 1970 के दशक के बाद 'त्रिशंकु जनादेश' दिए गए हैं, लिहाजा बाहरी समर्थन से अथवा गठबंधन के आधार पर सरकारें बनी हैं। चौ. चरण सिंह, वीपी सिंह, चंद्रशेखर, देवगौड़ा, इंद्रकुमार गुजराल सरीखे प्रधानमंत्रियों ने ऐसी आधी-अधूरी सरकारें चलाई हैं, लेकिन उनके खिलाफ बगावती उपद्रव कभी नहीं मचे। मार-काट अथवा प्रधानमंत्री के इस्तीफे या सर्वोच्च अदालत के न्यायाधीशों को जबरन पद छोड़ने को विवश कभी नहीं किया गया, क्योंकि भारत आत्मा से, समग्रता में, लोकतांत्रिक देश है। हर बार लोकतंत्र का पालन किया जाता रहा है, बेशक चुनावी जनादेश कैसा भी हो। बांग्लादेश में तो दिखावटी लोकतंत्र रहा है। देश के तौर पर अस्तित्व में आने के मात्र चार साल बाद ही वहां के राष्ट्रपिता एवं तत्कालीन राष्ट्रपति शेख मुजीब की, उनके 18 परिजनों के साथ ही, हत्या कर दी गई थी। शेख हसीना तब जर्मनी में अपने पति के साथ थी, लिहाजा बच गई। यह कौन-सा लोकतंत्र है। भारत की सेना का चरित्र भी 'तख्तापलट' का नहीं रहा है। वह देश-विरोधी ताकतों को जवाब दे सकती है। तय मानिए कि यह देश बांग्लादेश नहीं हो सकता।

नकारात्मकता से ऊपर उठें

चिंतन-मनन

जब आप लोगों के खिलाफ कोई निर्णय या लेबल रखते हैं, तो आपका व्यवहार बिगड? लगता है। दूसरों के खिलाफ आपके अंदर जो नकारात्मकता के बीज हैं, उनके कारण आप कठोर हो जाते हैं और आपका कंपन नकारात्मक हो जाता है। आपको यह एहसास भी नहीं होता कि आप अपने भीतर नकारात्मकता लेकर चल रहे हैं। नकारात्मकता ऐसी है कि आप इसके प्रति सचेत हुए बिना ही इसमें डूब जाते हैं। जब आपकी बुद्धि तेज हो जाएगी और ज्ञान से भरपूर हो जाएगी, तो आप तुरंत नकारात्मकता से ऊपर उठ सकेंगे। इसलिए हमें अपनी जागरूकता विकसित करने की आवश्यकता है। शुरूआत करने के लिए अपने आप से ये सवाल पूछें। क्या आप उन चीजों पर ध्यान देकर मानसिक ऊर्जा बर्बाद कर रहे हैं, जिनका कोई महत्त्व नहीं हैजब मन विस्तृत हो जाता है और अपनी विशालता को पहचान लेता है, तब छोटी-छोटी बातें आपको परेशान नहीं करतीं। अन्यथा आप छोटी-छोटी बातों में ही उलझे रहते हैं। हर बार आप सोचते हैं उसने मुझसे ऐसा कहा, उसने मुझसे ऐसा कहा, उस व्यक्ति ने मेरी तरफ देखा तक नहीं, उस व्यक्ति ने मुझसे इतनी कठोरता से बात की, वगैरह-वगैरह। आप इन बेकार की बातों पर ध्यान देकर अपनी मानसिक ऊर्जा का कितना हिस्सा बर्बाद करते हैं। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि आपने अपनी दृष्टि को व्यापक नहीं बनाया है। मेरे प्यारे, जीवन बहुत ही अस्थायी और क्षणभंगुर है। तुम्हारा जीवन छोटा है। इस छोटे से जीवन में तुम्हारे पास इतना समय ही कहां है कि तुम इस बात पर ध्यान दो कि किसने क्या कहा और क्यों? फिर इस झंझट में क्यों फंसते हो? मैं तुमसे कहता हूं अगर भगवान भी आकर तुमसे कुछ कठोर शब्द कहें, तो तुम्हें मुस्कराते रहना चाहिए और एकाग्र रहना चाहिए। इसे एक उपहार, एक प्रसाद के रूप में सोचो। आपको अपने मन को अपने भीतर एकाग्र और अविचल बनाना चाहिए, एक स्तंभ की तरह। अपने आसपास की छोटी-छोटी घटनाओं से बहकें या परेशान न हों। अन्यथा आप छोटी-छोटी और अस्थायी चीजों से बहुत परेशान हो जाते हैं। न केवल आप परेशान होते हैं, बल्कि आप अपने आसपास के लोगों को भी परेशान करते हैं। वास्तव में हम दूसरों को दोगुना परेशान करते हैं बार-बार आपको खुद को यह याद दिलाना चाहिए कि जाग जाओ। जागरूकता में वापस आएं और महसूस करें कि मैं हर तरह से पूर्ण और संतुष्ट हूं। भगवान हर समय मेरे साथ हैं और मेरे लिए जो भी आवश्यक है वह सही समय पर होगा।

आपके पत्र

देशभक्ति की राह पर चले युवा पीढ़ी

एक देशभक्ति गीत है- ऐ मेरे वतन के लोगो, जरा आंख में भर लो पानी, जो शहीद हुए हैं उनकी जरा याद कुबार्नी। हमारे देश के राष्ट्रीय पर्वों में से एक राष्ट्रीय पर्व है 15 अगस्त। 15 अगस्त को हमारा देश आजाद हुआ था, यह तो हम सब जानते हैं और यह भी जानते हैं कि देश को आजाद करवाने के लिए हमारे देशभक्तों ने कितनी मुसीबतें झेली थीं। आज हम सब उन देशभक्तों की बदौलत ही आजाद देश में सांसें ले रहे हैं। अगर हमारा देश आजाद नहीं हुआ होता तो हम सब अंग्रेजों के गुलाम होते। राष्ट्रीय पर्व होते हैं देशभक्तों की शहादत को नमन करने के दिन, न कि ऐसा कुछ करने के लिए जिससे देश बदनाम हो। भारत को अंग्रेजों से आजाद करवाने के लिए बहुत से देशभक्तों ने हंसते-हंसते अपनी जान तक कुर्बान कर दी थी। युवा पीढ़ी को इन देशभक्तों से प्रेरणा लेनी चाहिए।

बीके शर्मा,रांची

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

कोलकाता की घटना के विरोध में रिम्स के जूनियर डॉक्टरों ने दूसरे दिन भी किया कार्य बहिष्कार, ओपीडी व रूटीन सर्जरी ठप

जूनियर डॉक्टर अस्पताल आये, लेकिन सिर्फ वार्ड में पहले से भर्ती मरीजों की सेवा में लगे रहे। जूनियर डॉक्टरों द्वारा रूटीन सर्जरी में सहयोग नहीं करने के कारण पहले से तय सर्जरी नहीं हो पायी।

मेट्रो रेज

रांची : कोलकाता में महिला डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या के विरोध में रिम्स के जूनियर डॉक्टरों ने बुधवार को भी कार्य बहिष्कार किया. जूनियर डॉक्टरों ने ओपीडी सहित रूटीन सर्जरी में अपनी सेवाएं नहीं दी. वहीं, सीनियर डॉक्टरों से भी आग्रह कर ओपीडी व रूटीन सर्जरी सेवाएं ठप करायी. जूनियर डॉक्टर अस्पताल आये, लेकिन सिर्फ वार्ड में पहले से भर्ती मरीजों की सेवा में लगे रहे. जूनियर डॉक्टरों द्वारा रूटीन सर्जरी में सहयोग नहीं करने के कारण पहले से तय सर्जरी नहीं हो पायी. सिर्फ माइनर सर्जरी की गयी. हालांकि, इमरजेंसी में आये मरीजों को परेशानी न हो, इसके लिए जेडीए (जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन) ने वहां ज्यादा संख्या में जूनियर डॉक्टरों को तैनात किया था। पंजीयन काउंटर से 389 पर्ची जारी, इमरजेंसी में 292 को परामर्शः रिम्स के पंजीयन काउंटर से बुधवार को कुल 389 मरीजों की पर्ची जारी की गयी. हालांकि, इसमें सबसे अधिक 292 को इमरजेंसी में परामर्श दिया गया. पीडियाट्रिक इमरजेंसी में 19, नियोनेटल इमरजेंसी में नौ, लेबर रूम में 18 व पीडियाट्रिक सर्जरी इमरजेंसी में एक को परामर्श दिया गया. वहीं, मेडिसिन में एक, हड्डी में एक व गाइनी में दो मरीजों को परामर्श मिला।

एसएसपी और प्रबंधन के साथ जेडीए की हुई बैठकः रिम्स प्रबंधन और एसएसपी डॉ चंदन कुमार सिन्हा के साथ जेडीए की बैठक बुधवार को प्रशासनिक भवन में हुई. इस दौरान अस्पताल परिसर में विद्यार्थियों ने सुरक्षा की मांग की. जेडीए ने कहा कि अस्पताल, कॉलेज और हॉस्पिटल परिसर में आइकार्ड लगाने वालों को ही एंट्री मिले. इसके अलावा ट्रॉमा सेंटर, सेंट्रल इमरजेंसी, आइसीयू, सुपर स्पेशियालिटी विंग सहित महत्वपूर्ण वार्डों में आर्मी से सेवानिवृत्त जवानों को तैनात किया जाये. परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाये जायें. इस पर रिम्स प्रबंधन और एसएसपी की ओर से सकारात्मक आश्वासन दिया गया। शाम को निकाला कैंडल मार्च, लगा जामघटना के विरोध में बुधवार की शाम को जेडीए के बैनर तले विद्यार्थियों ने कैंडल मार्च निकाला. कैंडल मार्च रिम्स से करमटोली चौक तक निकाला गया. इस दौरान विद्यार्थी हाथ में पोस्टर लेकर चल रहे थे. विद्यार्थियों ने घटना की निंदा करते हुए दोषी को सख्त सजा देने की मांग की. इधर, कैंडल मार्च से कई जगह जाम की स्थिति भी बनी, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

लक्ष्य पाने के लिए समर्पण भाव के साथ मेहनत करें विद्यार्थी: सुदेश महतो

रांचीः आजसू पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद भी आप सभी विद्यार्थियों ने अपने जीवन के एक महत्वपूर्ण पड़ाव को सफलतापूर्वक पार किया है। यह समय अपने अंदर छिपी प्रतिभा को निखारने और नए कौशल को सीखने का है। अपने जीवन में स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करें और उसे पाने के लिए पूरे समर्पण भाव के साथ आगे बढ़ें।

सुदेश कुमार महतो बुधवार को बुंडू स्थित अरुणालय बैंक्वेट हॉल में आयोजित मेधा प्रतिभा सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। मौके पर बुंडू विधानसभा अंतर्गत अड़की, बुंडू और तमाड़ प्रखंड के दसवीं पास हुए विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। महतो ने कहा कि बेहतर शिक्षा ही बेहतर समाज की नींव है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हर बच्चे का अधिकार है। बच्चे राज्य व राष्ट्र के भविष्य हैं उन्हें सभी तरह की सुविधाएं मुहैया कराना हमारी जिम्मेदारी है। शहरी क्षेत्र के बच्चों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों के सामने खुद को स्थापित करने की अधिक चुनौती है। हमारे ग्रामीण परिवेश के बच्चों ने इन बाधाओं को पारकर एक उदाहरण पेश किया है। महतो ने कहा कि यह पहला पड़ाव शुरूआत भर है यहां अभी रुकना नहीं है। आप नए नजरिए से सोचे और नई ऊर्जा के साथ अपने मुकाम को हासिल करने के लिए आगे बढ़ें। समाज और अपने परिवार के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझें। आप छोटे लेकिन प्रभावशाली कदमों से समुदाय में परिवर्तन की नई पहल बनें। उलगुलान फाउंडेशन द्वारा आयोजित इस मिलन समारोह में प्रखंड टॉपर को स्मार्ट टैब और विद्यालय टॉपर को स्मार्ट वॉच देकर सम्मानित किया गया।

कार चालक ने लुटेरों के मंसूबे पर फेरा पानी,गोली लगने के बाद भी दिखाई बहादुरी

लातेहार : झारखण्ड के लातेहार जिले के हेरहंज से सटे पलामू जिले के पांकी थाना क्षेत्र की सीमा पर स्थित कारीमाटी जंगल में सड़क लुटेरों ने कार में सवार लोगों पर गोली चला दी इस घटना में कार पर सवार दिलीप दांगी के हाथ में गोली लग गई। जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए हैं दिलीप दांगी पलामू जिले के तरहसी के रहने वाले हैं बालूमाथ में प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए राँची के रिम्स रेफर कर दिया गया है। दरअसल,बुधवार की रात दिलीप दांगी अपने परिवार के साथ देवघर बाबा धाम से वापस हेरहंज-पांकी के रास्ते अपने घर तरहसी एक कार में सवार होकर लौट रहे थे।इसी बीच कारीमाटी जंगल में बीच सड़क पर एक बड़ी सी मोटी लकड़ी को रखा हुआ देखा। गाड़ी दिलीप दांगी चला रहे थे। सड़क पर इस प्रकार बड़ी लकड़ी को देखकर उनके मन में संदेह हुआ और वह गाड़ी वापस घूमाने लगे।गाड़ी घुमाने के क्रम में ही जंगल से अचानक एक गोली चली जो उनके गाड़ी के टायर में लगी। वहीं दूसरी गोली दिलीप दांगी के हाथ में लगी।

झारखंड के 6.63 लाख किसानों का इस साल 2 लाख तक का कर्ज होगा माफ, वित्त मंत्री ने दिया बैंक अधिकारियों को निर्देश

कृषि मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि झारखंड कृषि ऋण माफी योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2020-21 से 2023-24 तक करीब 4.73 लाख किसानों का 1,900.35 करोड़ रुपये का ऋण माफ किया गया।

रांची : बैंक राज्य में कृषि क्षेत्र को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता में शामिल करें, सरकार जनता के कल्याणकारी योजनाओं को उन तक पहुंचाने के लिए कृतसंकल्पित है. उक्त बातें वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव ने कही. मंत्री डॉ उरांव प्रोजेक्ट भवन सभागार में राज्यस्तरीय बैंकर्स समिति की त्रैमासिक बैठक में बोल रहे थे. 88वीं त्रैमासिक बैठक में ऋण योजनाओं की समीक्षा की गयी और बैंक अधिकारियों को सरकार की योजनाओं के लिए तैयार रहने को कहा गया. बताया गया कि इस बार 6.63 लाख किसानों का अधिकतम दो लाख रुपये तक का कर्ज माफ हो सकेगा. पहली योजना वाले 4.73 लाख और इस योजना के दौरान नये जोड़े गये 1.9 लाख किसान इसके पात्र होंगे. नये किसानों के केवाइसी की प्रक्रिया अंतिम चरण में है. 2024-25 के दौरान अब किसानों का ऋण 50 हजार से दो लाख तक माफ किया जाना है.

2023-24 तक 4.73 लाख किसानों का ऋण माफः कृषि मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि झारखंड कृषि ऋण माफी योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2020-21 से 2023-24 तक करीब 4.73 लाख किसानों का 1,900.35 करोड़ रुपये का ऋण माफ किया गया है. यह नया प्रस्ताव बजट में शामिल है, जिसका मुख्य उद्देश्य कृषि क्षेत्र को मजबूती देना है. विशिष्ट अतिथि बैंक ऑफ इंडिया के कार्यपालक निदेशक ने एनपीए कम करने और कम डिपॉजिट को लेकर चिंता जतायी. बैठक में बैंकों के क्षेत्रीय प्रमुख, वित्त, ग्रामीण और कृषि विभाग के सचिव, एसएलबीसी, नाबार्ड, आरबीआइ सहित विभिन्न बैंकों के जीएम, डीजीएम, एजीएम, एलडीएम, विभिन्न सरकारी विभागों के प्रतिनिधि आदि मौजूद थे.राज्य में ऋण-जमा अनुपात में मामूली सुधार, पूर्वी सिंहभूम अब भी पीछेः राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति जून 2024 की त्रैमासिक बैठक में पिछले तिमाही में बैंकों ने कई लक्ष्य को पूरा किया है. तीन महीने के आंकड़ों की पड़ताल के बाद यह बात सामने आयी कि बैंकों ने ऋण जमा अनुपात (सीडी रेशियो) के 60 प्रतिशत के बेंचमार्क के मुकाबले मामूली सुधार देखा गया. इस बार यह 49.59 % को बरकरार रखा है. साल दर साल इसमें 9.96% का इजाफा हुआ है. हालांकि पूर्वी सिंहभूम जिला 12.24 % के साथ अब भी सबसे नीचे है. एसएलबीसी के महाप्रबंधक मनोज कुमार ने त्रैमासिक समीक्षा से जुड़े आंकड़ों को पेश किया. पिछली बैठक 2.76% की तिमाही देखी गयी है. हालांकि, यह अभी राष्ट्रीय आंकड़ों से 86.59% से काफी नीचे है. बैंकों के पास डिपॉजिट काफी कम हो गया है. इसे बढ़ाने की वार्षिक योजना का लक्ष्य तय किया गया है. 1.20 लाख करोड़ का एसीपी लक्ष्य रखा है. इसमें करीब 36% हासिल कर लिया गया है.

पेरिस ओलंपिक की सबसे खूबसूरत एथलीट ने हर किसी के साथ बनाए संबंध

पेरिस ओलंपिक 2024 का समापन हो चुका है. पेरिस में हुए ओलंपिक खेल 26 जुलाई से 11 अगस्त के बीच खेले गए. पेरिस के ओलंपिक में युनाइटेड स्टेट्स ने सबसे ज्यादा 126 मेडल जीते। इसी बीच जर्मनी की एथलीट एलिसा श्मिड को लेकर काफी चचाएं हो रही हैं। जर्मनी की एथलीट को लेकर दावा किया जा रहा है कि उन्होंने ओलंपिक में सभी के साथ संबंध बनाया। आइए जानते हैं कि इस दावे के पीछे की सच्चाई क्या है।

एलिसा श्मिड पेरिस ओलंपिक में जर्मनी की महिला 4गुणा 400 मीटर रिले टीम का हिस्सा थीं। एलिसा वाली जर्मनी की टीम 4७400 मीटर रिले इवेंट के फाइनल में क्वालीफाई नहीं कर सकी थी. जर्मनी की टीम ने 3:26.95 मिनट में रेस खत्म की थी. इस टाइमिंग के साथ जर्मनी की टीम 7वें पायदान पर रही , जबकि टॉप-4 टीमों ने फाइनल में कदम रखा था. हालांकि, एलिसा अपनी खूबसूरती की वजह से पूरे ओलंपिक में चर्चा में बनी रहीं।

एलिसा श्मिड के संबंध बनाने के दावे की क्या है सच्चाई? : रिले रेस के बाद से ही एलिसा श्मिड को लेकर सोशल मीडिया पर दावे किए जाने लगे कि उन्होंने पेरिस ओलंपिक 2024 में सभी के साथ संबंध बनाएं. क्या एलिसा को लेकर किए जा रहे दावे सच हैं? आपको बता दें कि एलिसा श्मिड को लेकर हो रहे दावों में किसी भी तरह की कोई सच्चाई नहीं है. जर्मनी की एथलीट को लेकर किसी भी तरह ऐसी कोई जानकारी नहीं मिली है, जिससे उनके संबंध वाले दावों को सही ठहराया जा सके. गौर करने वाली बात है कि एलिसा को पेरिस ओलंपिक की सबसे खूबसूरत एथलीट भी कहा जा रहा है. बस इतना है कि सोशल मीडिया पर हजारों लोगों ने बिना किसी सोर्स के ऐसा लिखा. एक्स से लेकर इंस्टा तक एलिसा की तस्वीर के साथ ऐसे भद्दे पोस्ट लिखे गए।

रोहित शर्मा के वो 5 रिकॉर्ड, जिन्हें तोड़ पाना विराट कोहली के लिए बेहद मुश्किल

भारतीय क्रिकेट टीम के दो महान बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली पूरी दुनिया में अपने शानदार प्रदर्शन के लिए जाने जाते हैं। दोनों खिलाड़ियों ने भारतीय क्रिकेट को कई यादगार पारियां दी हैं। हालांकि, जब रिकॉर्ड की बात आती है, तो रोहित शर्मा के नाम कुछ ऐसे रिकॉर्ड हैं जिन्हें विराट कोहली अपने पूरे करियर में शायद कभी नहीं तोड़ पाएंगे। रोहित शर्मा ने विराट कोहली से पहले अपना अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया था, लेकिन रनों और कुल शतकों के मामले में कोहली पहले ही रोहित से आगे निकल चुके हैं। हालांकि, रोहित शर्मा ने बतौर ओपनर खेलते हुए कई अटूट रिकॉर्ड अपने नाम किए हैं।

रोहित शर्मा के 5 बड़े क्रिकेट रिकॉर्ड

एक टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा शतक : रोहित शर्मा ने वर्ल्ड कप 2019 में पांच शतक लगाकर यह रिकॉर्ड बनाया था। उन्होंने इस पूरे टूर्नामेंट में कुल 9 मैचों में 81 की ओस्त 648 रन बनाए थे। बड़े टूर्नामेंट में लगातार रन बनाना एक महान खिलाड़ी की पहचान होती है और रोहित ने यह रिकॉर्ड बनाकर अपनी महानता साबित की है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के : रोहित शर्मा ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अब तक 483 मैचों में 620 छक्के लगाए हैं, जो एक विश्व रिकॉर्ड है। विराट कोहली इस मामले में काफी पीछे हैं, उनके खाते में अब तक केवल 301 छक्के आए हैं।

टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाले सबसे उम्रदराज कप्तान : रोहित शर्मा की अगुआई में भारतीय टीम टी20 वर्ल्ड कप 2024 का खिताब जीती है। इसके साथ ही वह इस खिताब को जीतने वाले इस टूर्नामेंट के सबसे उम्रदराज कप्तान बन गए. इस रिकॉर्ड में विराट कोहली शामिल नहीं हैं, क्योंकि दोनों खिलाड़ी अब टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले चुके हैं।

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक : टी20 में रोहित शर्मा ने 5 शतक लगाए हैं जबकि विराट कोहली सिर्फ एक शतक ही लगा पाए हैं. दोनों ही खिलाड़ी टी20 से संन्यास ले चुके हैं, इसलिए अब यह रिकॉर्ड विराट नहीं तोड़ पाएंगे।

न्यूज ब्रीफ

श्रीलंका ने 17 भारतीय मछुआरों को किया रिहा

कोलंबो: श्रीलंकाई नौसेना ने बुधवार को 17 भारतीय मछुआरों को रिहा कर दिया है। ये मछुआरे श्रीलंका के जल क्षेत्र में कथित रूप से अवैध तरीके से मछली पकड़ने के दौरान श्रीलंका की नौसेना ने गिरफ्तार कर लिया था। यह घटना 21 भारतीय मछुआरों की गिरफ्तारी के कुछ ही दिन बाद हुआ, जिन्हें श्रीलंकाई नौसेना ने गिरफ्तार किया था और दो अगस्त को कोलंबो से चेन्नई वापस भेज दिया। श्रीलंका स्थित भारतीय मिशन ने बुधवार को सभी मछुआरों की तस्वीर के साथ सोशल मंच ह्यएक्सह्ल पर एक पोस्ट में लिखा, घर की ओर बढ़ रहे हैं । 17 भारतीय मछुआरों को श्रीलंका से सफलतापूर्वक वापस भेज दिया गया है। श्रीलंकाई नौसेना के कर्मियों ने ह्यपाक जलसंधिह्ल क्षेत्र में भारतीय मछुआरों पर गोली चलाई और श्रीलंकाई जलक्षेत्र में अवैध रूप से प्रवेश करने की कई कथित घटनाओं में उनकी नौकाओं को जब्त कर लिया। श्रीलंका का दावा है कि भारतीय अधिकारी भी इसी तरह का रवैया अपनाते हैं। पाक जलसंधि क्षेत्र दोनों देशों के मछुआरों के लिए एक समृद्ध मछली पकड़ने का क्षेत्र है। यहां अक्सर अनजाने में एक-दूसरे के जलक्षेत्र में प्रवेश करने के कारण गिरफ्तार कर लिया जाता है।

बांग्लादेश में प्रदर्शनकारियों की हत्या की जांच के लिए जाएगी संयुक्त राष्ट्र टीम

ढाका: बांग्लादेश में आरक्षण के विरोध में हुई हिंसा और बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों की मौत मामले में की जांच के लिए संयुक्त राष्ट्र की एक टीम दौरा करेगी। संयुक्त राष्ट्र की तरफ से बुधवार को जारी सूचना में बताया गया कि बांग्लादेश में हुई हिंसा के संदर्भ में एक टीम प्रदर्शनकारियों की हत्या की जांच के लिए जल्द ही बांग्लादेश का दौरा करेगी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने ह्यएक्सह्ल पर लिखा, संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार प्रमुख वोल्कर टर्क ने बुधवार को बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस से फोन पर बात की। वोल्कर ने फोन पर यूनुस से कहा, संयुक्त राष्ट्र की एक टीम (हत्याओं की) जांच के लिए देश का दौरा करेगी। पिछले सप्ताह प्रधानमंत्री हसीना के इस्तीफा देकर भारत जाने के बाद बांग्लादेश में अराजकता फैल गई थी, जिसके बाद पांच अगस्त को सेना ने सत्ता संभाली थी। इससे पहले, सरकार विरोधी प्रदर्शनों में 500 से अधिक लोग मारे गए थे। मुख्य सलाहकार के रूप में आठ अगस्त को शपथ लेने वाले यूनुस ने ह्यएक्सह्ल पर एक पोस्ट में बताया कि संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार प्रमुख ने कहा कि छात्र क्रांति के दौरान प्रदर्शनकारियों की हत्या की जांच के लिए संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व में बहुत जल्द जांच शुरू की जाएगी।

जबलपुर : उफनती नर्मदा की लहरों में एक हाथ में तिरंगा थामे तैराकों ने निकाली अनोखी यात्रा

जबलपुर: स्वतंत्रता दिवस के एक दिन पहले समूचे हिंदुस्तान में इस वक्त हर घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगा यात्राएं निकाली जा रही हैं। परन्तु जबलपुर में एक अनूठी यात्रा की चर्चा न केवल प्रदेश बल्कि सम्पूर्ण देश में हो रही है, चर्चा इसलिए कि बरगी बांध के गेट खुले होने से उफनती नर्मदा नदी में ग्वारीघाट से तिलवारा घाट तक 10 किलोमीटर के दायरे में तैराकों ने तिरंगा यात्रा निकाली। हाथों में तिरंगा थामे और दिल में देश भक्ति का जज्बा लिए सैकड़ों तैराक तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। नर्मदा नदी की उफनती लहरों के बीच ग्वारीघाट से तिलवारा घाट तक करीब 10 किलोमीटर की तिरंगा यात्रा को जिसने भी देखा,वह बस देखता ही रह गया। हिंदुस्तान की आजादी दिवस के एक पहले से भारत के विभाजन की विभीषिका का दंश झेलने वाले भारतीय नर्मदा में यह तिरंगा यात्रा अखंड भारत के सपने को संजोकर हर साल 14 अगस्त को निकालते आ रहे है। साल 2005 से शुरू हुई तिरंगा यात्रा में हर धर्म के छोटे से लेकर बुजुर्ग तारक शामिल होते रहे हैं। इस मौके पर राजनेता से लेकर धर्मगुरु तक देशभक्ति से ओतप्रोत नजर आए और तिरंगा यात्रा का उत्साह वर्धन करने पहुंचे। देश की एकता और अखंडता का संदेश देते हुए नर्मदा की लहरों को चीरते हुए निकलने वाली इस अनोखी यात्रा को देखने बड़ी संख्या में सैलानी भी पहुंचे। तिरंगा यात्रा से संस्कारधानी के साथ साथ मप्र की जीवन रेखा कही जाने वाली नर्मदा नदी भी पूरी तरह तिरंगामय नजर आई। करीब 300 से ज्यादा तैराकों ने 10 किलोमीटर कि यात्रा चार घंटे में तय की। इस यात्रा के संयोजक संजय यादव और उनके साथी अपनी टीम के साथ प्रतिवर्ष इस अनूठी यात्रा का इंतजार करते हैं ।

मप्र: स्वतंत्रता दिवस पर जेलों से आजीवन कारावास की सजा काट रहे 177 बंदी होंगे रिहा

भोपाल: स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश की जेलों में आजीवन कारावास की सजा काट रहे 177 बंदियों को रिहा किया जाएगा। इनमें पांच महिलाएं भी शामिल हैं। इन बंदियों को मध्यप्रदेश शासन, जेल विभाग की रिहाई नीति-2022 के अंतर्गत सजा में छूट प्रदान की जा रही है। हालांकि, बलात्कार और पाक्सो अधिनियम से संबंधित अपराधों में दंडित बंदियों को इस रिहाई में शामिल नहीं किया गया है। रिहाई प्रक्रिया सरकार की 22 सितंबर 2022 की नीति के तहत सजा में छूट प्रदान करके की जा रही है।जेल विभाग द्वारा बुधवार देर जानकारी देते हुए बताया गया कि इन बंदियों को जेल में सजा काटने के दौरान टेलरिंग, कारपेन्ट्री, लौहारी, भवन मिस्त्री, भवन सामग्री निर्माण आदि का प्रशिक्षण प्रदान किया गया है, ताकि रिहा होने के पश्चात ये जीवकोपार्जन के साधन अर्जित कर सकें और समाज में पुनः स्थापित हो सकें। जेल विभाग के अधिकारी मंशाराम पटेल ने बताया कि सरकार हर साल 15 अगस्त को कुछेक कैदियों को उनके अच्छे आचरण और अन्य मापदंडों के आधार पर रिहा करती है।

मप्र: मुख्यमंत्री द्वारा रक्षाबंधन और जन्माष्टमी पर बैंकों के लिए अवकाश स्वीकृत

भोपाल: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बैंकिंग क्षेत्र में कार्य करने वाले अधिकारी और कर्मचारियों को 19 अगस्त को रक्षाबंधन एवं 26 अगस्त को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के त्यौहार पर अवकाश की स्वीकृति प्रदान की है। अवकाश की स्वीकृति निगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट, 1881 की धारा 25 के अंतर्गत प्रदान की गई है। जनसम्पर्क अधिकारी लक्ष्मण सिंह बुधवार देर शाम जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव से बैंकिंग संगठनों ने राज्य के अन्य कर्मचारियों की तरह बैंकों के अधिकारी और कर्मचारियों को भी रक्षाबंधन और श्रीकृष्ण जन्माष्टी के त्यौहार मनाने के लिए अवकाश प्रदान करने की मांग की थी।

आरजी कर अस्पताल में हिंसा: आधी रात को तोड़फोड़, पुलिस और रैपिड एक्शन फोर्स तैनात, हालात काबू में करने की कोशिश

कोलकाता: कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में बुधवार रात को अचानक हिंसा भड़क गई। आजादी वाले दिन की आधी रात जब कोलकाता की सड़कों पर लाखों की संख्या में महिलाएं और पुरुष थे तब अचानक एक समूह ने इमरजेंसी विभाग के गेट को तोड़ने की कोशिश की, जिससे अस्पताल में अफरातफरी मच गई। इस घटना के दौरान पुलिस को मौके पर बुलाया गया, लेकिन यह स्पष्ट नहीं हो सका कि तोड़फोड़ करने वाले लोग कौन थे। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, स्थिति को काबू में करने की कोशिश के दौरान कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, कोलकाता पुलिस के कमिश्नर विनीत गोयल खुद घटनास्थल पर पहुंच सकते हैं।

इस घटना की शुरूआत रात में तब हुई जब महिलाओं के एक समूह ने 'रात दखल' कार्यक्रम के तहत अस्पताल के सामने विरोध प्रदर्शन किया। आरोप है कि उसके बाद ही एक समूह ने पुलिस बैरिकेड तोड़कर अस्पताल के अंदर प्रवेश किया और इमरजेंसी गेट को तोड़ने की कोशिश की। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि हमलावरों के पास लाठियां, रॉड और पत्थर थे, जिनसे उन्होंने कई वार्डों के शीशे और पुलिस की गाड़ियों को तोड़ दिया।

स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने पूरे इलाके को घेर लिया है और रैपिड एक्शन फोर्स (रैफ) को तैनात कर दिया गया है। पुलिस ने आंसू गैस के गोले भी छोड़े और हमलावरों के एक हिस्से को खदेड़ने में कामयाबी हासिल की, लेकिन स्थिति अभी भी पूरी तरह से नियंत्रण में नहीं आ सकी। हमलावरों की ओर से अब भी पुलिस पर ईंटें फेंकी जा रही हैं, जिससे एक पुलिसकर्मी के सिर पर गंभीर चोट आई है।

अस्पताल के एक हिस्से से यह भी आरोप लगाया जा रहा है कि पुलिस ने शुरूआत में घटना पर प्रतिक्रिया देने में देर की। अचानक हुए इस हमले के दौरान पुलिस ने तुरंत कार्रवाई क्यों नहीं की? इस सवाल का जवाब अभी तक नहीं मिल सका है।

इस घटना की निंदा करते हुए तृणमूल कांग्रेस नेता शांतनु सेन ने कहा, ₹यह घटना बेहद निंदनीय है। हम सभी चाहते हैं कि आरजी कर अस्पताल में हुई घटना के दोषियों को सजा मिले। लेकिन आंदोलन के नाम पर अगर किसी मरीज को लौटना पड़े, तो यह स्वीकार्य नहीं है। साथ ही, इस तरह की तोड़फोड़ को भी बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

गौरतलब है कि आरजी कर अस्पताल में एक महिला डॉक्टर के साथ हुई दुष्कर्म और हत्या की घटना के विरोध में 'रात दखल' कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। लेकिन इस बीच हुई इस हिंसा ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। अभी तक यह साफ नहीं हो सका है कि इस हमले के पीछे कौन लोग थे।

भारत ने सुरक्षा चिंताओं के बीच रूस के तीन क्षेत्रों के नागरिकों के लिए जारी किया परामर्श

मॉस्को: रूस के ब्रायंस्क, बेलगोरोद और कुर्स्क क्षेत्रों में रहने वाले भारतीय छात्रों समेत अपने नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर अस्थायी रूप से जाने के लिये बुधवार को भारतीय दूतावास ने परामर्श जारी किया है। दूतावास ने रूस-यूक्रेन युद्ध के तेज होने के बाद इन क्षेत्रों में सुरक्षा चिंताओं का हवाला दिया है।

भारतीय दूतावास ने यह सुरक्षा परामर्श रूस के बेलगोरोद सीमा क्षेत्र में आपातकाल घोषित किये जाने के कुछ घंटों बाद जारी किया गया। रूस के बेलगोरोद सीमा क्षेत्र में यूक्रेन की सेना की जबरदस्त गोलाबारी के कारण बुधवार को आपातकाल घोषित कर दिया गया, क्योंकि यूक्रेनी सेना लगातार दूसरे सप्ताह निकटवर्ती कुर्स्क क्षेत्र में सीमा पार से बड़े पैमाने पर घुसपैठ की कोशिश कर रही है। यूक्रेनी सेना द्वारा छह अगस्त को क्षेत्र में घुसपैठ शुरू करने के बाद पिछले शनिवार को कुर्स्क में आपातकाल घोषित कर दिया था। भारतीय दूतावास ने कहा, ह्यब्रायंस्क, बेलगोरोद और कुर्स्क क्षेत्रों में हाल की सुरक्षा घटनाओं के मद्देनजर भारतीय नागरिकों को आवश्यक सावधानी बरतने और अस्थायी रूप से इन क्षेत्रों से बाहर चले जाने का परामर्श किया जाता है।

तिरंगा यात्रा निकाल कर भाजपा क्रीड़ा प्रकोष्ठ ने दिया समाज को देशभक्ति का संदेश: रामकृपाल यादव

पटना: स्वतंत्रता दिवस के पूर्व संध्या पर बुधवार को भाजपा क्रीड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक सतीश राजू की अध्यक्षता में जैन धर्मशाला, मीठापुर से सप्तमूर्ति शाहिद स्मारक तक तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा में भारत सरकार के पूर्व मंत्री रामकृपाल यादव एवं दीघा के विधायक संजीव चौरसिया शामिल हुए।

मौके पर पूर्व केंद्रीय मंत्री रामकृपाल यादव ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के पूर्व संध्या पर भाजपा क्रीड़ा प्रकोष्ठ ने तिरंगा यात्रा निकाल कर समाज को देश भक्ति का संदेश दिया है। इससे समाज के लोगों में देश के प्रति समर्पण की भावना जागेगी, जिससे देश के आजादी में अपनी शहादत देने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित होगी।

दीघा विधायक संजीव चौरसिया ने कहा कि देश के आजादी के लिए देश के लाखों सपूतों ने अपने प्राणों की आहुति दी है तब जाकर देश आजाद हुआ है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार देश के आजादी में शहीद हुए सभी शहीदों को सम्मान दे कर श्रद्धांजलि अर्पित कर रही है। इस कड़ी में आज भाजपा क्रीड़ा प्रकोष्ठ ने जैन धर्मशाला मीठापुर से सप्तमूर्ति तक तिरंगा मार्च किया। इससे देश के नौजवानों में देश भक्ति की अलख जागेगी। भाजपा क्रीड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक सतीश राजू ने कहा कि आज पूरा देश 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाने जा रहा है। हम सभी शोभाग्यशाली है जो आजादी के अमृत महोत्सव का हिस्सा बने देश के सभी युवाओं को केंद्र सरकार द्वारा चलाए जा रहे हर घर तिरंगा अभियान से जुड़ना चाहिए।

तीन बाल विकास परियोजना पदाधिकारी सहित डीपीओ निलंबित

कटिहार: समाज कल्याण मंत्री मदन सहनी ने बुधवार को जिले के तीन बाल विकास परियोजना पदाधिकारी को कार्य में लापरवाही को लेकर तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबित किये गए अधिकारियों में बाल विकास परियोजना पदाधिकारी फलका के पामेला टुडू, कदवा के शबनम शीला गुड़िया एवं बाल विकास परियोजना पदाधिकारी मनिहारी और मानसाही के संगीता मिंकी शामिल हैं। इसके अलावा सहनी ने जिला प्रोग्राम पदाधिकारी (आईसीडीएस) सलय शर्मा को भी निलंबित कर दिया है।

उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले ही सहनी ने जिले के कई आंगनबाड़ी केंद्रों का औचक निरीक्षण किया था। जिसमें इन अधिकारियों के खिलाफ काम में बड़ी लापरवाही सामने आई थी।

जाँच रिपोर्ट में बताया गया कि निलंबित जिला कार्यक्रम अधिकारी किसलय शर्मा अपने अधीनस्थ कार्यालय के कर्मियों की उपस्थिति की जनवरी 2024 से जुलाई 2024 तक कभी जांच नहीं की। इसी तरह कर्मियों के अवकाश या प्रतिनियुक्त रहने की सूचना उपस्थिति पंजी में दर्ज नहीं किये जाने, रोकड़बही में विभिन्न मदों के लगभग 11 वर्ष पूर्व की वैसी राशियों जिन्हें चालान चेक के माध्यम से जमा कर देनी चाहिए थी। उन राशियों को आगे बढ़ना, एक्सिस बैंक में 45,70 रुपए सूद की राशि पड़े रहने, बाल विकास परियोजना कार्यालय, कदवा द्वारा वापस किया गया 14,640 रुपए सामान्य रोकड़बही में पड़े रहने, अग्रिम एवं अभिश्रव के रूप में क्रमशः 17,167 रुपए एवं 45,948 रुपए असमायोजित रहने आदि सहित अनुग्रह अनुदान योजना के 11 मामले जिसमें वर्ष 2017-18 के भी मामले शामिल हैं। कटिहार जिलान्तर्गत बाल विकास परियोजना कार्यालयों एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों के जॉच प्रतिवेदन के अनुसार कदवा कार्यालय में रोकड़बही में 1,97,37,770 रुपए का अभिश्रव विगत दो वर्षों से असमायोजित पाये जाने, पोषाहार के क्रय भाउचर पर मई 2024 का भाउचर बाल विकास परियोजना पदाधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित नहीं किये जाने, अण्डा वितरण एवं डब्लूबीएनपी के चावल का उठाव नियमानुसार नहीं होने तथा डंडखोरा-हसनगंज परियोजना कार्यालय के निरीक्षण के दौरान पूर्व के बाल विकास परियोजना पदाधिकारी द्वारा रोकड़बही का प्रभार नहीं दिये जाने, जून 2024 का पोषाहार वितरण बाधित रहने, ई-केवाईसी मात्र तीन प्रतिशत पाये जाने, बाल विकास परियोजना कार्यालय, कटिहार सदर के निरीक्षण के दौरान रोकड़बही में विभिन्न मदों में अव्यवहृत राशियों कैरी ओभर किया गया पाये जाने, तथा कटिहार ग्रामीण के निरीक्षण के दौरान सुधा दुग्ध चूर्ण का स्टॉक कार्यालय में पाये जाने, ई-केवाईसी मात्र तीन प्रतिशत पाये जाने आदि की स्थितियाँ पाई गई है। साथ ही बाल विकास परियोजना फलका, कदवा, मनसाही एवं मनिहारी अन्तर्गत कुल निरीक्षित 12 आंगनबाड़ी केन्द्रों में से 02 आंगनबाड़ी केन्द्र बंद पाये जाने एवं 06 केन्द्रों पर सहायिका अनुपस्थित पाये जाने, सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों पर बच्चों की उपस्थिति नामांकित बच्चों की तुलना में काफी कम पाये जाने, आंगनबाड़ी केन्द्रो का संचालन विभागीय मानको के अनुरूप नहीं होने, अधिकतर केन्द्रों पर बच्चे पोशाक में नहीं पाये जाने, केन्द्र संचालन संबंधी अन्य कई अनियमितताओं के पाये जाने का उल्लेख किया गया है।

कुपवाड़ा के रेशवार नार में बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद

श्रीनगर: सुरक्षाबलों ने बुधवार को कुपवाड़ा में अवूरा वन के रेशवार नार में बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है। एक अधिकारी ने बताया कि सेना और पुलिस की एक संयुक्त टीम ने कुपवाड़ा के रेशवार नार में तलाशी अभियान चलाया और पाँच ग्रेनेड, चार यूबीजी, अन्य कैश और खाद्य पदार्थ बरामद किए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस से पहले यह बरामदगी हुई है।

अगले पांच वर्षों में मेडिकल की 75 हजार सीटें सृजित की जायेंगी: प्रधानमंत्री,7

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को लालकिले की प्राचीर से अपने संदेश में कहा कि देश के युवा को विदेश जाकर मेडिकल की पढ़ाई न करनी पड़े इसके लिए उनकी सरकार अगले पांच वर्षों में 75 हजार नई मेडिकल सीटें तैयार करेगी। उन्होंने कहा, ह्लअगले पांच वर्षों में भारत के मेडिकल कॉलेजों में 75,000 नई सीटें सृजित की जाएंगी।ह्व

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय युवा के कौशल विकास पर भारत सरकार विशेष ध्यान दे रही है। उन्हें आश्चर्य होता कि भारतीय युवा मेडिकल की पढ़ाई करने के लिए कैसे-कैसे देशों में जाते हैं। भारत सरकार चाहती है कि युवाओं को भारत में ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लालकिले की प्रचीर से महिलाओं के साथ अत्याचार की बढ़ती घटनाओं पर चिंता व्यक्त की और कहा कि ऐसे पाप करने वालों में डर पैदा करना बेहद जरूरी है। इसके लिए आपराधियों को मिलने वाली कठोर सजाओं को भी व्यापक कवरेज देनी चाहिए।

वज्रपात से चार मवेशियों की मौत

पूर्णिया: बनमनखी प्रखंड अंतर्गत बहोरा पंचायत में बुधवार दोपहर आकाशीय बिजली से एक किसान के चार भैंस की मौत हो गई। स्थानीय पंचायत के वार्ड संख्या 4 कोसी शरण दवोत्तर गांव निवासी निरंजन यादव के बथान पर बांधे चार भैंस की मौत हुई है। पीड़ित पशु किसान द्वारा इसकी सूचना संबंधित विभाग एवं स्थानीय पुलिस दी गई है। चार भैंसों के एकसाथ मरने से किसान परिवार दुखी है।

सावन महोत्सव में प्रकृति संरक्षण का लिया संकल्प,10

सहरसा: शहर के विद्यापति नगर स्थित अभिनव विवाह भवन में बुधवार को महिलाओं द्वारा सावन महोत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लेकर प्राकृतिक संरक्षण का संकल्प लिया। भाजपा नेत्री सह जिला मंत्री रिंकू कुमारी के नेतृत्व में सावन महोत्सव का आयोजन धूमधाम से किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सावन का महीना हरियाली का संदेश देती है। इस महीने में बरसा रानी प्यासी धरती का प्यास बुझा कर नए पेड़ पौधों को जीवन प्रदान करती है। इस प्रकार मानव जीवन में भी इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। सावन का महीना हमें प्रकृति से जोड़कर इसकी संरक्षण हेतु याद दिलाती है। इस जदयू जिला अध्यक्ष सीमा गुप्ता ने कहा कि सावन के महीने में हरियाली का बहुत महत्व है।वहीं महिलाओं द्वारा इस महीने में प्रकृति के अनुरूप हरे रंग से श्रृंगार कर मनुष्य के जीवन को सुख में बनाती है। इस महोत्सव में महिलाओं द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया,जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं द्वारा बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया गया। सावन के महीने में झूला एवं कजरी जैसे गीतों के

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND
समस्त प्रदेश एवं देशवासियों को
स्वतंत्रता
दिवस
की हार्दिक
शुभकामनाएं
मैं स्वतंत्र हूँ, पढ़ाई के छोटे-मोटे खर्चों से, मुझे मिला सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना का लाभ
मैं स्वतंत्र हूँ, विदेश में उच्च शिक्षा के लिए, मुझे मिला मरङ गोमके जयपाल सिंह मुंडा पारदेशीय छात्रवृत्ति योजना का लाभ
मैं स्वतंत्र हूँ, रोजमर्रा की आर्थिक परेशानी से, मेरा झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना में हुआ निबंधन
मैं स्वतंत्र हूँ, पलाश ब्रांड ने मुझे दिया आर्थिक स्वावलंबन
मैं स्वतंत्र हूँ, उच्च/तकनीकी शिक्षा के लिए, मुझे मिला गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ
मैं स्वतंत्र हूँ, कृषि ऋण की चिंता से, मुझे मिला झारखण्ड कृषि ऋण माफ़ी योजना का लाभ
मैं स्वतंत्र हूँ, बुढ़ापे की आर्थिक समस्या से, मुझे मिला सर्वजन पेंशन योजना का लाभ
मैं स्वतंत्र हूँ, बीमारी में खर्च की चिंता से, सरकार दे रही है अबुआ स्वास्थ्य सुरक्षा योजना का लाभ
आइये हमसब मिलकर झारखण्ड के वीर सपूतों और वीरांगनाओं के सोना झारखण्ड के सपनों को साकार करने में अपना योगदान दें।
हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड
सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार
PR 332867(IPRD)24-25